भजन

तर्ज- आयेंगे जब मेरे साजना अंगना फूल खिलेंगे

याद करो सुख धाम के,पिया प्यार करेंगे
बरसेगी मेहर-2, झूम झूम के,पिया....

1 चंचल ये नैना तिहारे जो,मस्तियों के मयखाने हैं
डूबी जो रहती है रूह इनमें,नैना सुख वोही तो जाने है
याद करो,नैनों के सुख,सुनो रूहो बरसेगी....

2-मुस्कनियां इश्क की प्यारी है,भीगी रूहें इनमें सारी हैं
पिया अधरों की जो लाली है,मस्ती भरी अति प्यारी है
डूबूं इनमें सदा,पाऊं सुख मैं पिया,बरसेगी...

3- पिया वनों में जो जाते हैं,इश्क के खेल खिलाते हैं
न जीतें खुद न हराते हैं,कंठ से कंठ लगाते हैं
सारा आलम झूम उठे,सुनो रूहो,बरसेगी....

4- झीलने जमुना में जाते हैं,उछरंगों से मय पिलाते हैं
मीठी वाणी से जब बुलाते हैं,सुख इनमें सब मिल जाते हैं
झीलूं पिया संग सदा,इश्क इसमें भरा, बरसेगी...